6

वर्णमाला गीत

24FEHH

अनार के दाने लाल लाल।

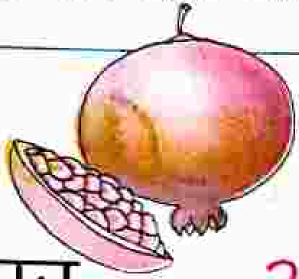

अनार अ

आम खाते मिट्ठू लाल।

आम आ

इमली खट्टी मीठे बेर।

इमली इ

ईख के खेत से निकला शेर।

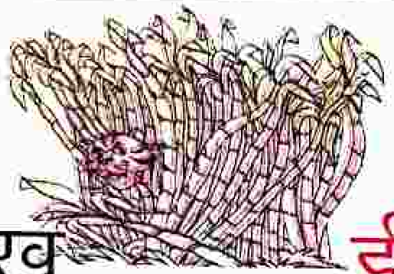

ईख ई

बिंदु मिलाओ–

अब तुम लिखो–

- वर्णमाला गीत का अभ्यास मूर्त वस्तुएँ दिखाकर हाव–भाव के साथ कराएँ। ध्वनियों एवं परिचित चित्र शब्दों से वर्णों की पहचान तथा उच्चारण का अभ्यास कराएँ। हर पृष्ठ पर दर्शाई गई वस्तुओं के चित्रों के माध्यम से शब्द तथा वर्णों का बोध कराएँ। वर्णों की आकृतियों पर अँगुली फिराने व पेंसिल से दोहराने का अभ्यास कराएँ।

उल्लू की हैं आँखें गोल।

उल्लू उ

ऊन का गोला होता गोल।

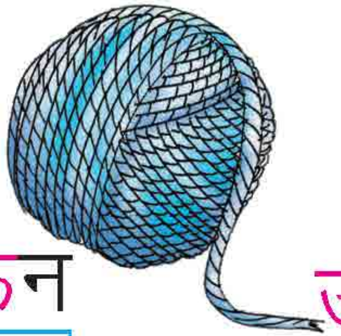

ऊन ऊ

ऋषि बैठकर
ध्यान लगाता।

ऋषि ऋ

एक बिलौटा
घर को जाता।

एक ए

ऐनक पहने
भालू आता।

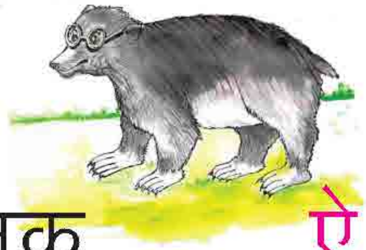

ऐनक ऐ

बिंदु मिलाओ–

उ ऊ ऋ ए ऐ

अब तुम लिखो–

ओखल लाओ कूटो धान।

ओखल ओ

औरत देखो बड़ी महान।

औरत औ

अंगूर खाता है लंगूर।

अंगूर अं

अः अः पक गए खजूर।

अःअः अः

बिंदु मिलाओ–

ओ औ अं अः

अब तुम लिखो–

कबूतर करता गुटर गूँ।

कबूतर क

खरगोश के सिर में खुजली क्यूँ ?

खरगोश ख

गमले में हैं सुंदर फूल।

गमला ग

घड़ी कहे, जाओ स्कूल।

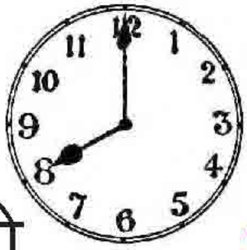

घड़ी घ

ङ

बिंदु मिलाओ–

अब तुम लिखो–

चना चबाकर खाओ खूब।

चना च

छाता तानो जब हो धूप।

छाता छ

जल में जाता बड़ा जहाज।

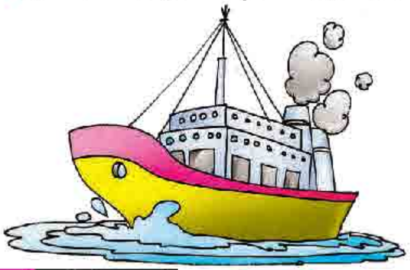

जहाज ज

झरने की झर–झर आवाज़।

झरना झ

ञ

बिंदु मिलाओ–

च छ ज झ ञ

अब तुम लिखो–

टमाटर देखो गोल मटोल।

टमाटर ट

ठठेरा बनाए बरतन गोल।

ठठेरा ठ

डमरू बोला डम डम बोल।

डमरू ड

ण

ढम ढमा ढम बाजे ढोल।

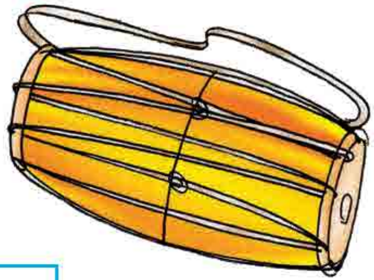

ढोल ढ

बिंदु मिलाओ–

ट ठ ड ढ ण

अब तुम लिखो–

तबला बोले तक–तक धिन।

तबला त

थपकी देती माँ हर दिन।

थपकी थ

दही मलाई खा गई बिल्ली।

दही द

धनिया मटर
चले अब दिल्ली

धनिया ध

नल का पानी
बर्फ की सिल्ली।

नल न

बिंदु मिलाओ–

त थ द ध न

अब तुम लिखो–

यज्ञ हवा को करता शुद्ध।

यज्ञ य

रथ पर राजा, करते युद्ध।

रथ र

लड़की लड्डू पूड़ी खाती।

लड़की ल

वन की छाया मन को भाती।

वन व

बिंदु मिलाओ–

य र ल व

अब तुम लिखो–

शलजम मूली गाजर खाओ।

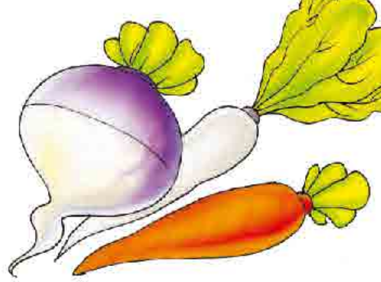

शलजम **श**

षटकोण का चित्र बनाओ।

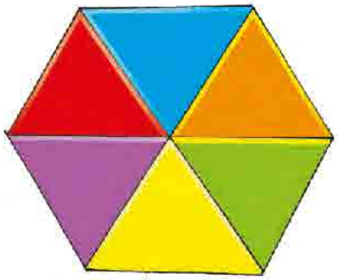

षटकोण **ष**

सरसों के पीले हैं फूल।

सरसों **स**

हवा चली तो उड़ गई धूल।

हवा **ह**

बिंदु मिलाओ–

श ष स ह

अब तुम लिखो–

क्षमा करो प्रभु बालक जान।

क्षमा **क्ष**

त्रिभुज की हम कर लें पहचान।

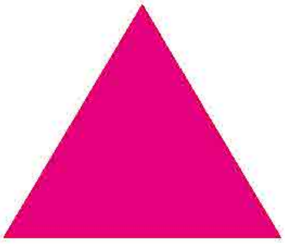

त्रिभुज **त्र**

ज्ञानी करें देश का नाम।

ज्ञानी **ज्ञ**

श्रम का सदा करो सम्मान।

श्रम **श्र**

बिंदु मिलाओ–

श्र

अब तुम लिखो–

पेड़ धरा की होते शान ।

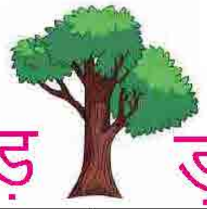

पेड़ ड़

पढ़ लिखकर हम बने महान।

पढ़ ढ़

बिंदु मिलाओ–

अब तुम लिखो–

अभ्यास

1. देखो, समझो और लिखो–

	फल	फ	ल
	नल	-----------	-----------
	वन	-----------	-----------
	रथ	-----------	-----------

क्ष (क्+ष), त्र (त्+र), ज्ञ (ज्+ञ) तथा श्र (श्+र) संयुक्ताक्षर हैं। ड़ तथा ढ़– अतिरिक्त वर्ण हैं जो संस्कृत वर्णमाला से परम्परागत रूप से नहीं लिए गए हैं, इन्हें उत्क्षिप्त वर्ण भी कहते हैं।

2. पढ़ो सीखो –

जग	
ज	ग

बस	
ब	स

श्रम	
श्र	म

3. जानो – पूरा करो –

अ	
ब	ज
अब	अज

क	
ल	र
कल	

ह	
म	ल

4. (क) समझो और पढ़ो –

फ	न	ज	प	ब	च	ह
			ल			

फल नल जल पल बल चल हल

(ख) अब तुम बनाओ –

न	ड	क	म	प	स	फ
			र			

....

वाक्य से शब्द तथा शब्द से वर्ण पर आते हुए पूरी वर्णमाला की पहचान कराएँ। बिना मात्रा वाले क्रमशः दो, तीन, चार वर्णों को मिलाकर शब्द बनवाएँ। बोलने और लिखने के पर्याप्त अभ्यास कराएँ।

5. शिक्षिका ने बच्चों के नाम श्यामपट्ट पर लिखे। टेसू ने घेरा लगाया उन अक्षरों पर जो उसके नाम में आते हैं।

असगर देवेश अंजुम हरजीत

गुरमीत झरना अरुणा शाहिद

टेकराम आशा अनुपम डेजी

कुलदीप राजेश खलील विशाल

शीला हरविन्दर नीलम शशि

भगवती पंकज मोहन रविन्दर

टोनी बलजीत ताहिर देवनाथ

शुभम डेविड सुभाष जगजीत

- **तुम भी अपना नाम लिखो– ....**

ऊपर के नामों में उन अक्षरों को घेरो, जो तुम्हारे नाम में आए हैं।

बच्चों को उनके नाम में आए अक्षरों को घेरने में मदद करें। श्यामपट्ट पर इस प्रकार की वर्ण पहचान के और भी अभ्यास कराएँ। कक्षा में लगे चित्र, चार्टों, संदेशों में अक्षर पहचान कराएँ।